

भारत सरकार
विद्युत मंत्रालय

....

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-2118

जिसका उत्तर 04 जुलाई, 2019 को दिया जाना है।

विद्युत की मांग और आपूर्ति में अंतर

2118. श्री सय्यद ईमत्याज जलील:

श्री असादुद्दीन औवेसी:

क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या भारत ने विद्युत उत्पादन के सभी स्रोतों अर्थात्, तापविद्युत, पनबिजली, परमाणु और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में उच्च उत्पादन स्तर प्राप्त किया है;
- (ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या उच्च उत्पादन के बावजूद देश में विद्युत की मांग और आपूर्ति में अत्यधिक अंतर है;
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
- (ङ) विगत दो वर्षों और चालू वर्ष के दौरान राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार कुल विद्युत की मांग और आपूर्ति कितनी है;
- (च) मांग और आपूर्ति में अंतर के लिए उत्तरदायी विद्युत पारेषण, वितरण और चोरी से हुई कुल हानि कितनी है; और
- (छ) इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) तथा कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री

(श्री आर. के. सिंह)

(क) और (ख) : विगत तीन वर्षों अर्थात् 2016-17, 2017-18 तथा 2018-19 के दौरान देश में 25 मेगावाट और उससे अधिक के संयंत्रों के परंपरागत ईंधन स्रोतों तथा नवीकरणीय स्रोतों से विद्युत उत्पादन में वृद्धि हुई है। विगत तीन वर्षों के स्रोतवार उत्पादन का ब्यौरा अनुबंध-1 में दिया गया है।

(ग) से (ङ) : दिनांक 31.05.2019 की स्थिति के अनुसार संस्थापित उत्पादन क्षमता लगभग 357 गीगावाट (जीडब्ल्यू) था जो देश की व्यस्ततम विद्युत मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। चालू वर्ष 2019-20 (मई, 2019 तक) के दौरान हुई अधिकतम व्यस्ततम मांग लगभग 183 जीडब्ल्यू थी जिसे सफलतापूर्वक पूरा किया गया था। अप्रैल से मई, 2019 के दौरान देश में औसत विद्युत कमी लगभग केवल 0.4 प्रतिशत थी और व्यस्ततम विद्युत कमी लगभग केवल 0.5 प्रतिशत थी। विगत दो वर्षों अर्थात चालू वर्ष 2019-20 (मई, 2019 तक) के दौरान देश में विद्युत आपूर्ति स्थिति का राज्य-वार ब्यौरा अनुबंध-II में दिया गया है। यह अंतर सामान्यतः वितरण नेटवर्क में कठिनाइयां, वितरण कंपनियों द्वारा विद्युत खरीदने के लिए वित्तीय कठिनाइयां आदि जैसे घटकों के कारण है।

(च) और (छ) : अंतर राज्य पारेषण प्रणाली (आईएसटीएस) में पारेषण हानियां 2.5 प्रतिशत से 3.0 प्रतिशत के बीच है जो तकनीकी कारण हैं। उज्ज्वल डिस्कॉम एशयोरेंस योजना (उदय) के अंतर्गत भागीदार राज्यों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार कुल तकनीकी एवं वाणिज्यिक (एटीएंडसी) हानियां जिनमें 2017-18 के लिए चोरी और छिटपुट चोरी शामिल है, 18.7 प्रतिशत थी। उपरोक्त हानियों जिनमें विद्युत प्रणाली के लिए अंतर्निहित तकनीकी हानियां शामिल हैं, के बावजूद आपूर्ति और मांग के बीच व्यावहारिक रूप से अंतर नहीं है।

वितरण स्तर पर हानियों को कम करने के लिए सरकार ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वितरण अवसंरचना को सुदृढ़ करने हेतु क्रमशः एकीकृत विद्युत विकास योजना (आईपीडीएस) तथा दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) जैसी कई योजनाएं शुरू की हैं। इसमें उपभोक्ताओं और प्रणाली मीटरिंग का प्रावधान, स्टार रेटडिड ट्रांसफार्मर, भूमिगत केबलिंग, एरियल बंडल केबल शामिल हैं। कुल 32 राज्यों/संघराज्य क्षेत्रों और उनकी विद्युत वितरण यूटिलिटीयों ने उदय के अंतर्गत समझौता-ज्ञापन (एमओयू) भी हस्ताक्षरित किए हैं जो परिणामों का मुख्य मानदंड है तथा यह एटीएंडसी हानि के स्तर को 15 प्रतिशत तक कम करेंगे।

लोक सभा में दिनांक 04.07.2019 को उत्तरार्थ अतारांकित प्रश्न संख्या 2118 के भाग (क) और (ख) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष (मई, 2019 तक) के लिए स्रोत-वार उत्पादन का ब्यौरा

स्रोत	30.05.2019 की स्थिति के अनुसार निगरानी की गई क्षमता (मेगावाट में)	उत्पादन (मेगावाट में)		
		2018-19	2017-18	2016-17
थर्मल	226212.85	1072223.88	1037059.10	994230.17
न्यूक्लियर	6780.00	37812.59	38346.12	37915.87
हाइड्रो	45399.22	134893.61	126122.70	122377.56
भूटान से आयात	-	4406.62	4778.33	5617.34
कुल (पारंपरिक)	278392.07	1249336.70	1206306.25	1160140.94
नवीकरणीय स्रोत		126759.09	101839.48	81548.21
सकल जोड़ (पारंपरिक+नवीकरणीय)		1376095.79	1308145.73	1241689.15

* अनंतिम आधारित वास्तविक-सह-मूल्यांकन
टिप्पणी: 25 मेगावाट एवं इससे अधिक के पारंपरिक स्रोतों (थर्मल, हाइड्रो और न्यूक्लियर) से सकल उत्पादन।

लोक सभा में दिनांक 04.07.2019 को उत्तरार्थ अतारंकित प्रश्न संख्या 2118 के भाग (ग) से (ङ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध।

पिछले दो वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान ऊर्जा की दृष्टि से राज्य/संघराज्य क्षेत्र-वार मांग एवं आपूर्ति का ब्यौरा मई, 2019 तक

विद्युत आपूर्ति स्थिति (ऊर्जा)

राज्य/सिस्टम/क्षेत्र	अप्रैल, 2019 - मई, 2019*				अप्रैल, 2018 - मार्च, 2019				अप्रैल, 2017 - मार्च, 2018			
	ऊर्जा आवश्यकता	आपूर्ति की गई ऊर्जा	आपूर्ति नहीं की गई ऊर्जा		ऊर्जा आवश्यकता	आपूर्ति की गई ऊर्जा	आपूर्ति नहीं की गई ऊर्जा		ऊर्जा आवश्यकता	आपूर्ति की गई ऊर्जा	आपूर्ति नहीं की गई ऊर्जा	
	(एमयू)	(एमयू)	(एमयू)	(%)	(एमयू)	(एमयू)	(एमयू)	(%)	(एमयू)	(एमयू)	(एमयू)	(%)
चंडीगढ़	271	271	0	0.0	1,571	1,571	0	0.0	1,610	1,601	9	0.5
दिल्ली	6,065	6,064	1	0.0	32,299	32,282	17	0.1	31,826	31,806	19	0.1
हरियाणा	8,679	8,679	0	0.0	53,665	53,665	0	0.0	50,775	50,775	0	0.0
हिमाचल प्रदेश	1,654	1,644	10	0.6	9,850	9,618	232	2.4	9,399	9,346	53	0.6
जम्मू व कश्मीर	3,364	2,720	644	19.1	18,988	15,616	3,372	17.8	18,808	15,050	3,759	20.0
पंजाब	8,475	8,475	0	0.0	55,328	55,315	13	0.0	54,812	54,812	0	0.0
राजस्थान	13,313	13,300	13	0.1	79,815	79,626	189	0.2	71,194	70,603	591	0.8
उत्तर प्रदेश	22,897	22,817	79	0.3	117,133	116,149	984	0.8	120,052	118,303	1,749	1.5
उत्तराखंड	2,449	2,449	0	0.0	13,845	13,753	92	0.7	13,457	13,426	31	0.2
उत्तरी क्षेत्र	67,166	66,419	747	1.1	382,493	377,595	4,898	1.3	371,934	365,723	6,211	1.7
छत्तीसगढ़	5,765	5,764	1	0.0	26,471	26,417	54	0.2	25,916	25,832	84	0.3
गुजरात	21,748	21,748	0	0.0	116,372	116,356	15	0.0	109,984	109,973	12	0.0
मध्य प्रदेश	12,735	12,735	0	0.0	76,056	76,054	2	0.0	69,925	69,925	0	0.0
महाराष्ट्र	29,295	29,294	0	0.0	158,295	158,157	137	0.1	149,761	149,531	230	0.2
दमन व दीव	443	443	0	0.0	2,558	2,558	0	0.0	2,534	2,534	0	0.0
दादरा नागर हवेली	1,106	1,106	0	0.0	6,303	6,302	0	0.0	6,168	6,168	0	0.0
गोवा	801	801	0	0.0	4,295	4,292	3	0.1	4,117	4,117	0	0.0
पश्चिमी क्षेत्र	71,893	71,892	1	0.0	390,349	390,136	212	0.1	368,405	368,080	326	0.1
आंध्र प्रदेश	11,709	11,702	7	0.1	63,861	63,804	58	0.1	58,384	58,288	96	0.2
तेलंगाना	10,772	10,771	1	0.0	66,489	66,427	62	0.1	60,319	60,235	83	0.1
कर्नाटक	13,569	13,568	1	0.0	71,764	71,695	69	0.1	67,869	67,701	168	0.2
केरल	4,888	4,878	10	0.2	25,016	24,898	118	0.5	25,002	24,917	85	0.3
तमिलनाडु	20,031	20,030	1	0.0	109,482	109,380	102	0.1	106,006	105,839	166	0.2
पुडुचेरी	517	516	1	0.1	2,766	2,756	10	0.3	2,668	2,661	7	0.3
लक्षद्वीप#	8	8	0	0.0	46	46	0	0.0	47	47	0	0.0
दक्षिणी क्षेत्र	61,486	61,465	21	0.0	339,377	338,960	417	0.1	320,248	319,642	606	0.2
बिहार	5,662	5,659	3	0.1	30,061	29,825	236	0.8	27,019	26,603	417	1.5
झारखंड	1,505	1,495	10	0.7	8,737	8,490	247	2.8	7,907	7,753	154	1.9
ओडिशा	5,261	5,261	0	0.0	32,145	32,115	30	0.1	28,802	28,706	96	0.3
पश्चिम बंगाल	9,920	9,897	23	0.2	51,471	51,287	184	0.4	50,760	50,569	191	0.4
सिक्किम	78	78	0	0.0	527	527	0	0.1	485	484	0	0.1
अंडमान-निकोबार#	58	54	4	6.7	346	323	23	6.7	328	299	29	8.9
पूर्वी क्षेत्र	26,182	26,144	38	0.1	145,686	144,616	1,070	0.7	136,522	135,489	1,034	0.8
अरुणाचल प्रदेश	127	126	1	0.6	869	859	9	1.1	799	788	10	1.3
असम	1,573	1,434	139	8.8	9,566	9,238	328	3.4	9,094	8,779	315	3.5
मणिपुर	135	134	2	1.2	905	895	10	1.2	874	827	46	5.3
मेघालय	336	318	18	5.5	1,957	1,956	2	0.1	1,557	1,553	3	0.2
मिजोरम	100	99	1	0.8	643	635	8	1.2	497	488	9	1.7
नागालैंड	124	123	1	0.8	888	795	93	10.5	794	774	20	2.5
त्रिपुरा	292	288	4	1.3	1,863	1,841	22	1.2	2,602	2,553	49	1.9
पूर्वोत्तर क्षेत्र	2,686	2,521	165	6.2	16,691	16,219	472	2.8	16,216	15,763	453	2.8
अखिल भारत	229,413	228,441	972	0.4	1,274,595	1,267,526	7,070	0.6	1,213,326	1,204,697	8,629	0.7
* अनंतिम												
# लक्षद्वीप और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह स्टैंड अलोन प्रणाली में हैं, इसलिए इनकी विद्युत आपूर्ति की स्थिति क्षेत्रीय आवश्यकता और आपूर्ति का भाग नहीं है।												
टिप्पणी: राज्य यूटिलिटी/विद्युत विभागों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर विद्युत आपूर्ति स्थिति रिपोर्ट संकलित की गई है।												
